टाइटन के टाइटेनिक प्रतीक

चित्र: आमोद कारखानिस

पृष्ठ क्रमांक 16 से आगे .....

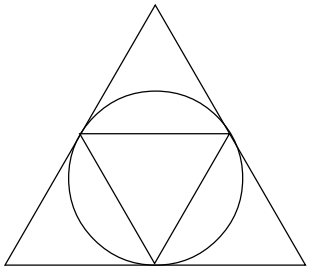

दूर्बा ने मन-ही-मन छोटे त्रिभुज को उलट दिया था।

तुरंत ही यह बात स्पष्ट हो गई कि बड़ा त्रिभुज चार छोटे त्रिभुजों से बना हुआ था, इसलिए उसका क्षेत्रफल छोटे त्रिभुज की तुलना में चार गुना ही होगा।

अब थोड़ी-सी और उलझा देने वाली समस्या पर विचार करते हैं। मान लीजिए कि आकृति एक सम-त्रिभुज के अंदर अंकित एक वृत्त की होती और त्रिभुज को एक बड़े वृत्त के अंदर अंकित किया गया होता।

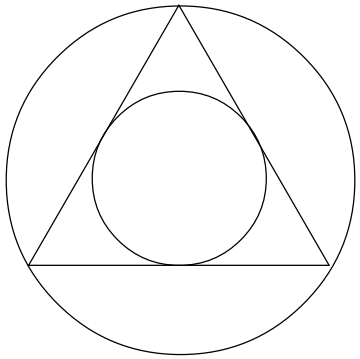

तब, दो वृत्तों के क्षेत्रफलों के बीच क्या अनुपात होगा?

भाग:3 देखिए पृष्ठ क्रमांक 68 पर।